https://universitynews.in/

Roll No. .....

DD-901

LL.B. (Part I) (First Semester) (ATKT) EXAMINATION, May-June, 2020

Paper First

JURISPRUDENCE AND LEGAL THEORY

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt any *five* questions. All questions carry equal marks.

1. विधि एवं नैतिकता में क्या सम्बन्ध है ? क्या विधि के माध्यम से नैतिकता का प्रवर्तन उचित है ? विवेचना कीजिए।

What is the relationship between law and morals ? Is it advisable to enforce morality by law ? Discuss.

2. आधुनिक भारतीय समाज में विधि के स्रोत के रूप में विधायन की भूमिका की विवेचना कीजिए। इस मत पर टिप्पणी कीजिए कि आज विधायन सुधार का सर्वाधिक सशक्त उदाहरण है।

Discuss the role of legislation as a source of law in the Modern Indian Society. Comment on the view that legislation today is the most powerful instrument to reform.

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

3. "विधिशास्त्र, विधि एवं सामाजिक विज्ञान के सतत् सम्बन्धों का अध्ययन है।" उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिये।

"Jurisprudence is the study of continuing relationship between Law and Social Sciences." Examine the above statement.

4. यथार्थवादी शाखा की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए तथा अमेरिकन एवं स्कैन्डिनेवियन यथार्थवादी में अन्तर भी बताइये।

Discuss the salient features of realist school and also point out distinction between American and Scandinivian realists.

5. नैसर्गिक विधि दृष्टिकोण के गुण और दोषों की विवेचना कीजिए। किस सीमा तक नैसर्गिक विधि के सिद्धान्त भारतीय संविधान में समावेशित हैं ?

Discuss merits and demerits of Natural law approach. How far principles of Natural law are enshrined in the Constitution of India ?

6. ऑस्टिन के अनुसार निरपेक्ष कर्त्तव्य क्या हैं ? क्या वे वास्तव में निरपेक्ष हैं ? भारतीय विधियों में उनकी प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

What are absolute duties according to Austin ? Are they are really absolute ? Discuss they relevance in Indian laws.

7. विश्लेषणात्मक अधिरचनावाद के विधि सम्बन्धी धारणा के बारे में प्रोफेसर हार्ट कहते हैं कि यह "आदेश, अनुशास्ति और सम्प्रभु की त्रिवेणी है।" उक्त कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

About the notion of law of analytical positivism Prof. Hart says "It is a triology of command, sanction and sovereignty." Critically examine the above statement.

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

8. ऑस्टिन में प्रभुसत्ता सम्बन्धी सिद्धान्त का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। भारत में प्रभुसत्ता किसमें निहित है ?

Critically examine Austinean theory of sovereignty. Where does sovereignty lie in India ?

9. सामाजिक न्याय का सिद्धान्त क्या है ? भारतीय संविधान में यह सिद्धान्त कहाँ तक समाहित है ?

Define the concept of social justice. How far is this system enshrined in the Constitution of India ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) सैविनी का 'लोकचेतना' का सिद्धान्त

(ब) कब्जे के प्रकार

(स) स्वामित्व का वर्गीकरण

(द) निगमित व्यक्तित्व के सिद्धान्त

Write short notes on any *two* of the following :

(a) Savigny's theory of 'Volkgeist'

(b) Kinds of possession

(c) Classification of ownership

(d) Theories of corporate personality

https://universitynews.in/